Chairman's Message

With the call for the creation of a "New India" under the visionary leadership of our successful Prime Minister Shri Narendra Modi ji, *Khadi* has not remained just a cloth, but has emerged as a symbol of an idea, a revolution, and a new era of self-reliance. The Hon'ble Prime Minister has redefined and revered Bapu's legacy by presenting Khadi as the "New Khadi of New India," which marked the beginning of a *Khadi Renaissance*—an awakening that has ignited the *Khadi–Village Industry Revolution* across the nation.

There is no greater happiness in human life than receiving the opportunity to work in one's field of true interest. Khadi and Village Industries are deeply rooted in indigenous ethics and indigenous thought. While the nation celebrated *Azadi ka Amrit Mahotsav*, I had the privilege of being entrusted with the responsibility of serving as the Chairman of the Madhya Pradesh Khadi and Village Industries Board. I consider this not only an honour but also a sacred opportunity to contribute in this unique field that nurtures the dreams of self-reliance and rural empowerment.

In today's world, social media and digital platforms have become powerful tools of communication and the presentation of ideas. Governments, semi-government, and non-government organisations across the globe are using websites to share their activities with the public and to create their identity in society.

The Madhya Pradesh Khadi and Village Industries Board, established under an Act of Legislature in 1960, has been consistently working towards Gandhiji's vision of *Gram Swaraj*. Through our flagship initiatives, countless educated unemployed youth, entrepreneurs, artisans, self-help groups, and aspiring rural businesses have been empowered under the guiding slogan "Apna Haath – Apna Saath". Today, the work of the Board has touched every village and district of the state, carrying forward the great joy of realising Bapu's dream—*"All villages should be self-sufficient."*

It gives me immense pride to present the new website of the Madhya Pradesh Khadi and Village Industries Board. I am confident that this platform will serve as a one-stop source of information

about the Board's various schemes, activities, and opportunities, and will help strengthen the bond between artisans, entrepreneurs, and society at large.

Thank You!

अध्यक्ष संदेश

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में "नए भारत" के निर्माण के आह्वान के साथ, खादी केवल वस्त्र न रहकर एक विचार, एक क्रांति और आत्मनिर्भरता के नये युग का प्रतीक बन गई है। आदरणीय प्रधानमंत्री ने पूज्य बापू की विरासत खादी को "नए भारत की नई खादी" के रूप में परिभाषित किया है, जिससे "खादी रिनेसां" अर्थात् खादी–ग्रामोद्योग पुनर्जागरण का सूत्रपात हुआ है, जिसने पूरे देश में खादी–ग्रामोद्योग क्रांति को नई दिशा दी है।

मानव जीवन में सबसे बड़ा सुख अपने मनपसंद क्षेत्र में कार्य करने का अवसर प्राप्त होना है। खादी एवं ग्रामोद्योग भारतीय स्वदेशी नैतिकता और स्वदेशी चिंतन से जुड़े हुए हैं। आज़ादी का अमृत महोत्सव मनाते हुए जब मुझे मध्यप्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड का अध्यक्ष नियुक्त किया गया, तो मैंने इसे अपने लिए गौरव और सौभाग्य का विषय माना। यह मेरे लिए केवल दायित्व ही नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता और ग्रामीण सशक्तिकरण के सपनों को साकार करने का पावन अवसर भी है।

आज के समय में सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म विचारों के आदान-प्रदान और संवाद के सबसे सशक्त साधन बन चुके हैं। विश्वभर में शासन, अर्ध-शासन एवं अशासकीय संगठन अपनी वेबसाइटों के माध्यम से जनता को अपनी गतिविधियों की जानकारी उपलब्ध कराते हैं और समाज में अपनी सशक्त पहचान निर्मित करते हैं।

सन् 1960 में विधानमंडल के अधिनियम द्वारा स्थापित मध्यप्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड ने पूज्य बापू के "ग्राम स्वराज" के स्वप्न को साकार करने हेतु निरंतर कार्य किया है। बोर्ड की योजनाओं के माध्यम से असंख्य शिक्षित बेरोजगार युवक-युवतियों, उद्यमियों, कारीगरों, स्व-सहायता समूहों और नवाचार करने वाले ग्रामीण व्यवसायों को "अपना हाथ – अपना साथ" की प्रेरणा के साथ जोड़ा गया है। आज बोर्ड का कार्य प्रदेश के हर जिले और हर गाँव तक पहुँच चुका है, जिससे पूज्य बापू का यह सपना साकार हो रहा है कि "हर गाँव आत्मनिर्भर बने।"

मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि हम मध्यप्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड की नई वेबसाइट प्रस्तुत कर रहे हैं। मुझे विश्वास है कि यह पोर्टल बोर्ड की विभिन्न योजनाओं, गतिविधियों एवं अवसरों की

जानकारी प्राप्त करने में आपके लिए उपयोगी सिद्ध होगा और कारीगरों, उद्यमियों एवं समाज के बीच मजबूत सेतु का कार्य करेगा।

धन्यवाद!